- - 1. (1) इस बादेश का सीक्षान नाम उर्वरह (शिवंत्रण) (दूबर संगान) प्रादेश 1988 है।
 - (2) यह राजपन्न में प्रकाशन की तरीज को अवृत हागा।
- 2. उर्वरक (नियंत्रण) प्रादेश, 1985 की अनुपूची- 1 में, "मान-क उत्तर तों के निविदेश"; शीर्षक और "1(म) एन पी. उर्वरकं" उनतीर्षंक के अबीन "मोनी अनितियम फाल्फीड (11-52-0)" से पर्विचा कन संव्यक्ति 11 और उसकी प्रविध्वा के पश्च सु निम्निजिखिस कम संग्रांक और प्रविध्या धरतःस्पाधित की जाएंगी,

विति**र्षे** त उरका का नाम "12 न'हट्टोफास्फेट (1) भार के प्राधार पर प्राव्हें। का प्रतिशत, प्रविकतम - 23:23:0 (2) मार के खाबार पर नाइट्रोजन का गुन प्रतिशत, **ग्**नतम 23.0 (3) भार के प्राधार पर प्रतिराज के उनमें नाइदीजन ! फा प्रतिगत्त, म्युनतन 11.5-(4) भार के आधार पर नाइहेट के रूप में नाइट्रोजन का प्रति-शत, भिक्षकतम 11.5 (5) भार के भाषार पर निष्कित प्रनोतित्रम मिट्रेट विलेप फारकेट का (🤼 🔾 के कर में) प्रतिशत, स्वततम 23.0 (6) भार के प्रकार पर जा विनेत फाल्केट का (2 Os के रूप में) प्रतिगत, स्पूत्रम 18.5 (7) भार के आधार पर कैल्यियन नत्हरूड का प्रतियात, प्रधिकतम 1.0 . (8) मानार कम ; 90 मिराह परार्थ 4 एन एन भारतीय

[सं. 1-4/88 उर्बरह बिवि]

मातत छतता में से छत जाएगा और 1 एन रन मारतीय मानत छ तो में रह जाएता । 5 प्रतिमा से बाजित 1 एन एर भारतीय भावह छत्रा से कब होगी।"

जि. रंगा राज, संगुक्त सविव

टिप्पणः उर्बरक (नियंत्रण) मादेश, 1985 सा.का.नि. 758 तारीख 25 सितम्बर, 1985 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

- (2) उर्वरक (नियंत्रण) भावेश, 1985 की भनुभूका-1, भाग क का संशोधन निम्नलिखित द्वारा किया गमा:---
 - (1) सा.का.नि. 201(प) सारीख 14 फरवरी, 1986
 - (2) सा.का.नि. 1160 (घ) तारीख 21 प्रक्तुबर, 1986
 - ं (3) का.चा. 822 (घ्र) तारीख 14 सितम्बर, 1987
 - (4) का.मा. 1079 (भ) तारीख 11 विसम्बर, 1987
 - (5) का.भा. 252(भ) तारीख 11 मार्च, 1988

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 28th July, 1988.

ORDER

- S.O.724(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Fertiliser (Control) Order, 1985, namely:—
 - 1. (1) This order may be called Fertiliser (Control) (Second Amendment) O.der, 1988.
 - (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In Schedule I to the Fertiliser(Control) Order, 1985, under the heading "Part-A. Specifications of fertilisers" and sub-heading "I(d) N.P. Fertilisers", after serial number 11 relating to "Mono ammonium phosphate (11-52-0)" and the entries thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

Name of Fertiliser	Specifications
1	2
"12. Nittophosphate 23:23:0	
,	(i) Moisture percent by weight, maximum, 1.5
	(ii) Total Nitrogen percent by weight, 23.0 minimum.

	THE GAZETTE OF INDIA	, EXTRAORDINARI IFARI II—32	
* * * * * * * * * * * * * * * * * * *	1	2	
F	(iii)	Nitrogen in ammonical form, percent by weight, minimum.	11.5
	(iv)	Nitrogne in nitrate form percent by weight, maximum.	11.5
	(v)	Neutral ammonium citrate soluble phosphate (as P ₃ O ₅), percent by weight, minimum.	23.0
1	· (vi)	Water soluble phosphate as P ₂ O ₃ percent by weight, minimum.	1,8.5
	(vii)	Calcium nitrate percent by weight, maximum,	1.0
'(viii	Particle size: 90% of the material she pass through 4 mm is Sieve and be retained on 1 mm is Sieve. Not more than 5 percent shall be below 1 mm is Sieve.	ali	

[No.1-4/88-Fert. Law]

G. Ranga Rao, Jt. Secy.

NOTE: The Fertiliser (Control) Order, 1985 was published vide G.S.R. 758
(E) dated 25th September, 1985.

- (2) Schedule I, Part A of the Fartiliser (Control) Order, 1985, was amended vide:—
 - (i) G.S.R. 201(E) dated 14th February, 1986.
 - (ii) G.S.R. 1160(E) dated 21st October, 1986.
 - (iii) S.O. 822(E) dated 14th September, 1987.
 - (iv) S.O. 1079(E) dated 11th December, 1987.
 - (v) S.O. 252(E) dated 11th March, 1988.



असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

nibant a natian
PUBLISHED BY AUTHORITY

सा॰ 378] No. 378] ं नई दिल्ला, बुङ्गतिबार, जुलाई 28, 1988/आजल 6, 1910

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 28, 1988/SRAVANA 6, 1910

दस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की काली हैं जिससे कि यह असग संकलन को रूप में रखा जा सको

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि मंत्रासय

(श्रुवि और सहकारिता विमाग)

मई दिल्ली, 28 जुलाई, 1988

परादेश

का. ग्रा. 725(ग्र).—केन्द्रीय सरकार, भ्रावश्यक बस्तु ग्राधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदेस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उर्थरक (स्थित्रक) ग्राधेश, 1985 का ग्रीर संशोधन करने के लिए निम्निसिबत भादेश करती है, ग्रर्थात्:—

- 1. (1) इस प्रावेश का संक्षिप्त नाम उर्जरक (नियंत्रण) (तीसरा संसो-धन) शावेश, 1988 है।
 - (2) यह रामपत्र में प्रकाशन की सारीख को प्रवृत होगा।
- 2. जर्बरक (निमंत्रण) ग्राहेत, 1935 जिमे इतमें इसके पश्चात् उक्त ग्रावेश कहा भया है के खंड 2 में,....
 - (i) उपर्यंत्र (घ) में "ग्रावश्यक पादप" शब्दों का सोप थिया काएगा।
 - (ii) उपखंड (छ) कालोप किया आएगा।

- (iii) उप खंड (ज) के स्थान पर निम्नलिखित उप **खंड रखा जाएगा** अर्थात:---
 - (ज) "उर्बरक" से कोई ऐसा पदार्थ श्राजिमेत है को मृदा और/या फसल के उर्बरक के कप में उपयोग कि ह जाता **है वा** जिसका उपयोग किया जाता खाशाजित है और मृत्यूजी-1 के भाग-क में जिनिविध्य है और इसमें उर्वरकों का निश्रण, सूक्षम पोषक उर्बरकों का निश्रण और उर्बरकों का विश्रेष मिश्रण सम्मिलित है",
- (iv) उप कांड (अ) के स्थान पर निस्तिलिखन उप खंड रला जाएंगा अर्थात्:---
 - (अ) "श्रेणी" ने प्रतितातता के रूप में अभिष्यस्त अर्थरक के पोषक तत्व अभिन्नेत हैं,
- (v) जप श्रांड, (ट) में,
 - (क) "वो पा प्रधिक प्रावश्यक पादप पोषक प्रान्तिकट है" शुक्कों का लोग किया अर्थिया,
 - (ख) "बर्वरक सामग्री" शस्त्रों के स्नातपर "वर्षरकों" शस्त्र रका जाएगा,